RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 06 अप्रैल 2024 वर्ष 05 अंक 345 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र के सीएम शिंदे का विपक्ष पर तंज

'हम फेसबुक पर नहीं, बल्कि...', सीटों को लेकर भी किया बड़ा दावा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने दावा किया कि, ''हमारी पार्टी और महायुती की स्थिति मजबूत है और हम लगभग 45 लोकसभा की सीटें जीतेंगे. पिछले डेढ़ दो साल में जो काम सरकार ने किया है वो जनता के सामने है. पुरे राज्य में हमारे बारे मे पॉजिटिव माहौल है. मोदी जी की सरकार लोगों को पसंद है. यह सरकार गरीबों के लिए है. रोटी, कपड़ा मकान यह हमारा मकसद है. हमारे पास एजेंडा है उनके पास क्या है. मोदी जी देश का नाम कर रहे हैं, पर दूसरी तरफ राहुल गांधी परदेश में जाकर बदनाम कर रहै हैं.''

अरविंद केजरीवाल पर क्या बोले सीएम शिंदे ?

सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, ''अभी देखिए कोर्ट से भी उन्हें राहत नहीं मिली. तो इसका मतलब क्या है? इसका मतलब है किनको उन्होंने किया होगा वो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा. ऐसे कोई जानबूझकर नहीं करता है. और चुनाव के वक्त तो बिल्कुल नहीं करते हैं. इसपर मैं ज्यादा बात नहीं करना चाहूंगा लेकिन मैं इतना ही कहता हूं कि हमारे महाराष्ट्र में 45 सीटें महायुति की आएगी.'' सीएम शिंदे ने आगे कहा, ''पहली सरकार फेसबुक पर काम करने वाली थी. महाराष्ट्र में विपक्ष को कुछ काम नही है. उनके टीका पर हम बात नही करेंगे. हमारे सांसदों को हम बेहतरीन मौका देंगे. हम पर बीजेपी का कोई दवाब नहीं है. हमने टिकट काटा वह एक समीकरण रहता है. टिकट क्यों काटा यह आपको चुनाव जितने के बाद पता चलेगा.''

अपने काम के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने बहुत ही मजबूत काम किया है. लोक जानते हैं समझदार हैं. जनता समझदारी से वोट करेगी. हम फील्ड में उतरकर काम करने वाले हैं, हम घर में बैठकर या फेसबुक या फेसटाइम पर काम करने वाले नहीं है बल्कि हम फेस टू फेस काम करने वाले लोग हैं.''

बांद्रा मे खुलेआम नशे का करोबार...

बांद्रा पुलिस के गुंडा स्टाफ की अन्देखी से

नशे के गर्त मे युवा?

मुंबई : बांद्रा पश्चिम रंग शारदा होटल के पास लाल मट्टी इलाके से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है. जहां खुलेआम नशीले पदार्थ बेचे जा रहे हैं और नशीले पदार्थों का सेवन किया जा रहा है. यह वीडियो बांद्रा का बताया जा रहा है. सूत्रों का कहना है कि अपनी नाइट लाइफ के लिए मशहूर मुंबई अब ड्रग माफियाओं का केंद्र बनती जा रही है। सूत्रों से मिली जानकरी से पात चला है कि बांद्रा पुलिस स्टेशन के गुंडा स्टाफ की मिली भगत से यह सब चल रहा है । अब देखना होगा कि मुंबई पुलिस को इस मामले को गंभीरता से लेती है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है या युं ही ये सब गैरकानूनी कृत्य चलता रहेगा? और युवा पीढ़ी के साथ देश बर्बाद होता रहेगा?

यूट्यूब वीडियो ने बनाया लुटेरा!

एटीएम तोड़ने के आरोप में 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

मुंबई: यूट्यूब वीडियो युवाओं के दिमाग पर कितना प्रतिकूल असर कर रहा है इसका उदाहरण तब सामने आयाजब, मुंबई में एक युवक यूट्यूब वीडियो देख कर एटीएम को तोड़ने की हिम्मत की, पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वकोला पुलिस ने एक 21 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसने एक हिंदी फिल्म और यूट्यूब वीडियो देखकर एटीएम तोड़ने का असफल प्रयास किया था। पुलिस ने आरोपी की पहचान पालघर निवासी जावेद शेख के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि, एटीएम कियोस्क वाकोला पाइपलाइन रोड पर स्थित है। 1 अप्रैल को शाम 6.22 बजे, जावेद एटीएम में दाखिल हुआ और कटर का उपयोग करके मशीन को खोलने की कोशिश की, लगातार प्रयासों के बावजूद, वह पहुंच पाने में असमर्थ रहा और घटनास्थल से भाग गया। चोरी के प्रयास का पता चलने पर बैंक अधिकारी नवीन कारकल ने वकोला पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने कियोस्क सहित आसपास के 70-80 सीसीटीवी फुटेज रिकॉर्डिंग की जांच कर फुटेज के आधार पर आरोपी को नीले रंग की बाइक पर सवार होकर धोबी घाट इलाके की ओर जाते देखा गया। पुलिस ने आसपास जाल बिछाया और उसे पकड़ लिया, शुरूआत में उसने सहयोग नहीं किया, लेकिन बाद में उसने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके पास से एक बैग जब्त किया जिसमें ग्राइंडर ब्लेड,दो ब्लेड,एक कटर, चश्मा, मैकेनिकल दस्ताने, एक मनी कैप, एक पाइप और अपराधों में इस्तेमाल की गई एक बाइक थी और पता चला कि बाइक चोरी की थी।'',

अलीबाग का नाम बदलने की मांग!

स्पीकर ने सरकार से इस नायक के नाम पर रखने की अपील की

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने राज्य सरकार से छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसैनिक शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मयंक भंडारी की याद में अलीबाग का नाम बदलकर 'मयनाकनगरी' करने का आग्रह किया है। मुंबई के पास तटीय शहर अलीबाग एक पर्यटक आकर्षण और राज्य के रायगढ़ जिले में एक नगरपालिका परिषद है। नार्वेकर ने यह मांग तब की जब अखिल भारतीय भंडारी महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में उनसे नाम बदलने के अनुरोध के साथ मुलाकात की।

नार्वेकर ने गुरुवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर इस बात पर जोर दिया कि मराठा योद्धा राजा शिवाजी के शासनकाल के दौरान, विदेशी आक्रमणों को रोकने के लिए तटीय सुरक्षा और तटीय युद्ध अभियान का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान था। नार्वेकर ने यह भी कहा कि अलीबाग में भंडारी की एक प्रतिमा लगाई जानी चाहिए।

नार्वेकर ने सीएम शिंदे को लिखा पत्र

नार्वेकर ने सीएम शिंदे को पत्र लिखा, ''शिवाजी महाराज ने एक मजबूत नौसैनिक बल की नींव रखी, जिसका नेतृत्व कोंकण से मयंक भंडारी ने किया। कड़े संघर्ष के बाद और मयंक भंडारी की बहादुरी के कारण अंग्रेजों को अलीबाग में खंडेरी-उंडेरी बंदरगाह के किले से पीछे हटना पड़ा था।'' नार्वेकर ने कहा, ''मांगें जायज हैं और मैं सरकार से उन पर गौर करने का आग्रह करता हूं।''

ठाणे में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 लाख रुपये का गुटखा जब्त, 1 गिरफ्तार

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक ट्रक से करीब 50 लाख रुपये का गुटखा जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है।एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को लेकर राज्य में गुटखा के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अधिकारी ने बताया कि नारपोली पुलिस ने बृहस्पतिवार को दोपहर में भिवंडी इलाके में दापोडा रोड पर एक ट्रक को रोका और पाया कि उसमें विभिन्न 'ब्रांड' का गुटखा रखा था। तंबाकू उत्पाद की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी। उन्होंने कहा कि गुटखे की खेप और ट्रक को जब्त कर लिया गया और चालक अजय कुमार श्यामपाल सिंह (28) को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने कहा कि वे गुटखे के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

संपादकीय / लेख

मोदी बनाम सुक्खू

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल में चुनावी बिसात पर इस बार नए दांव पेंच के अलावा केंद्र बनाम राज्य की सीधी टक्कर होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर शतरंज के माहिर खिलाड़ी हैं, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी सियासी खेल के उस्ताद तो तसदीक हो चुके हैं। उनके प्रशंसक तथा आलाकमान तक उनके समर्थक यह मानते हैं कि इस बंदे में इतना दम तो है कि यह वीरभद्र सिंह द्वारा बिछाई तमाम सुरंगों तथा दीवारों को लांघ कर स्वीकार्य नेता साबित हुए। सत्ता से पहले संगठन की ताकत में सुक्खू ने अपना जौहर दिखाकर कई किले छीने हैं, लेकिन अब सरकार के दुर्ग को बचाने का इम्तिहान है। बहरहाल हिमाचल में लोकसभा के साथ उपचुनावों का जुड़ा, कहीं तो प्रदेश सरकार की नीति और नीयत को अखाड़े तक ले आया है। हमने इन्हीं कालमों में मुख्यमंत्री के प्रदर्शन का सदैव दो पहलुओं में विशलेषण किया है। वह राजनीति के माहिर रहे हैं। वह राजनीति को चलाने का माद्दा व इरादा भी बेहतर रखते हैं, लेकिन सरकार के बीच राजनीति और राजनीति के बीच सरकार को पूर्ण सुरक्षित सांचे में रखने के लिए संतुलन नहीं बना सके।

जब सुक्खू सरकार बनी तो मुख्यमंत्री के पक्ष में आस्था के 43 दीप जले थे, जो अब घटकर 34 हो चुके हैं। इसमें दो राय नहीं कि 34 की संख्या को आसानी से 36 या 37 विधायकों तक पहुंचाया जा सकता है, लेकिन बतौर मुख्यमंत्री ऐसी परिस्थिति तक पहुंचना प्रदेश की पूरी राजनीति के लिए घातक है। यहां उनके सवा साल के सफर में मुख्यमंत्री का पद, प्रदेश का शासन तंत्र, प्रशासनिक पकड़, चुनौतियों की राह और पहाड़ी प्रदेश की दुश्वारियों का उल्लेख भी हो रहा है। जाहिर तौर पर सरकार का कद विभिन्न मोर्चों पर दिखाई दिया और व्यवस्था परिवर्तन के मार्गदर्शन पर हिमाचल का नजरिया बदलता हुआ महसूस हुआ। ऐसे में चुनावी दौड़ में हिमाचल अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इतिहास से प्रभावित रहेगा, तो सुक्खू के व्यक्तित्व की धार से भी संबोधित होगा। कम से कम हिमाचल में मोदी को सीधे सुक्खू से टकराना पड़ेगा।

इसे हम एक दृष्टि से सुक्खू की बतौर मुख्यमंत्री उपलब्धि तो मान ही सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक घटनाक्रम के अवांछित अध्याय अशांत और रूठे हुए बैठे हैं। कुछ दरारें अब दीवारें बन गईं, लेकिन जमीन का धंसना नहीं रुका। इसमें कोई दो राय नहीं कि सवा साल के परिश्रम में सुक्खू सरकार का आपदा प्रबंधन पूरे देश ने देखा है और जहां केंद्र बनाम हिमाचल के बीच अधिकारों का आमना-सामना भी मुख्यमंत्री को सशक्त बनाता रहा। प्रशासनिक तौर पर कई फैसले सही होंगे, तो कई अन्य नापसंद भी किए गए, लेकिन भूराजस्व महकमे के नजरिए में परिवर्तन लाकर मुख्यमंत्री का रुतबा लोगों का दिल जीत लेता है। जमीनी दस्तावेजों में लंबित इंतकाल और तकसीम मामलों को सुलझाने का रिकार्ड कायम करके साबित कर दिया कि सरकार अगर चाहे तो व्यवस्था परिवर्तन ला सकती है। सुक्खू ने सरकार में अपने हस्ताक्षर प्रशासनिक तौर पर तो सशक्त किए, लेकिन राजनीतिक तौर पर इसकी कीमत तय है। कुछ चुकानी पड़ी, लेकिन कसरतों में अगर वह सफल होते हैं, तो इतिहास उनके साथ खड़ा होगा। कम से कम यह तो आज ही कहा जा सकता है कि हिमाचल में लोकसभा से उपचुनावों तक सुक्खू बनाम मोदी होने जा रहा है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

नवी मुंबई में हुआ ईरानी खजूर व्यापारी से 4.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी!

पुलिस ने पांच लोगों पर किया मामला दर्ज...

ठाणे : नवी मुंबई पुलिस ने ईरान के एक खजूर व्यापारी से कथित तौर पर करीब 4.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि दो ट्रेडिंग कंपनियों के मालिकों सहित आरोपियों ने शिकायतकर्ता से खजूर खरीदीं लेकिन कथित तौर पर उसे कभी भुगतान नहीं किया।

अपनी शिकायत में, विक्रेता ने कहा कि उसने 2020 में ईरान के बंदर अब्बास के बंदरगाह से मुंबई स्थित दो व्यापारियों को खजूर के साथ 23 कंटेनर भेजे थे।

आरोपियों ने व्यापारी को बेवकूफ बनाने की कोशिश की

पुलिस के मुताबिक, खजूर की खेप प्राप्त होने के बाद आरोपियों ने जाली कागजात बनाकर व्यापारी को बेवकूफ बनाने की कोशिश की। आरोपियों ने यह दिखाया कि दुबई की उनकी एक सहयोगी कंपनी ने यह खजूर भेजे हैं।पुलिस ने शिकायतकर्ता के हवाले से बताया कि खजूर की खेप का सारा पैसा करीब 4.36 करोड़ रुपये वास्तविक विक्रेता की बजाय दुबई की किसी कंपनी को भेजा गया।

पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला किया दर्ज

उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद नवी मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने प्रारंभिक जांच की और गुरुवार को नवी मुंबई के एएपीएमसी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया।

स्काईवॉक का लेटर सिर पर गिरा, युवती घायल, मीरा रोड की घटना

भयंदर: स्काई वॉक पर रखा लेटर गिरने से एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई. हादसा गुरुवार शाम मीरा रोड पर हुआ। लेटर डालने वालों और उसकी मरम्मत करने वालों के खिलाफ नया नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है. नियति चौबाद (19) मीरा रोड ईस्ट के कनकिया इलाके में रहती हैं। वह मीरा रोड में गुरुकुल स्पोर्ट्स और कैरियर अकादमी में पुलिस भर्ती अभ्यास के लिए जाती है। गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे जब वह रोजाना की तरह मीरा रोड स्थित स्काईवॉक के नीचे एकेडमी जा रही थी, तभी पोस्ट ऑफिस के सामने स्काईवॉक पर लगा एक पत्र उसके सिर पर लगा। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं. उसके सिर पर छह टांके लगे हैं।

खतरे में तुंगारेश्वर के संरक्षित वन, संवेदनशील क्षेत्रों में अतिक्रमण

वसई : तुंगारेश्वर अभयारण्य संरक्षित वन क्षेत्र और वसई के पूर्वी हिस्से में पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध रूप से खड़े प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों ने इस वन क्षेत्र पर बड़ा प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। इस बढ़ते अतिक्रमण के कारण संरक्षित वन खतरे में है।

तुंगारेश्वर अभयारण्य वसई के पूर्वी भाग में स्थित है। यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों, विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों से समृद्ध था। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों से इस जंगल में पेड़ों की हत्या, अवैध शिकार, अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण के कारण यह अभयारण्य खतरे में पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास के क्षेत्र को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील घोषित करने का आदेश दिया है इस संरक्षित वन के संरक्षण और यहाँ के वन्य जीवन के अस्तित्व के लिए क्षेत्र बनाए गए थे तदनुसार, वसई में तुंगारेश्वर अभयारण्य क्षेत्र को भी 'इको सेंसिटिव जोन' घोषित किया गया था। इसमें 28 गांवों के पास का वन क्षेत्र शामिल है।

इसके बाद उम्मीद जगी थी कि मुहल्ला सुरक्षित रहेगा. हालाँकि, चूंकि वन विभाग के अधिकारियों ने इस क्षेत्र के रखरखाव और संरक्षण की उपेक्षा की है, इसलिए पिछले कुछ वर्षों से तुंगारेश्वर अभयारण्य की सीमाओं के तहत पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र पर अतिक्रमण करके अवैध निर्माण किया गया है। उन अवैध निमार्णों में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियां खुल गई हैं। इसका असर पर्यावरण पर पड़ रहा है. वहीं दूसरी ओर भू-माफियाओं ने अवैध चालियां खड़ी कर दी हैं.

वन सीमा के पास इन चालियों की बढ़ती संख्या के कारण लोग सीधे जंगल की ओर जाने लगे हैं। पर्यावरणविद् मैकेंजी डाबरे ने आरोप लगाया है कि इससे इलाके को खतरा है. धड़ल्ले से निर्माण होने लगे हैं, जबकि संरक्षित वन से एक किमी के दायरे में किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाती है। 2018 के बाद शिरसाद से पोमान क्षेत्र में निर्माण पूरा हो चुका है। यही प्रभाव वन्यजीवों के आवासों पर भी पड़ा है।

वन विभाग के एक कर्मचारी को व्हाट्सएप स्टेटस लगाना पड़ गया भारी

चंद्रपुर : महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में वन विभाग के एक कर्मचारी को व्हाट्सएप स्टेटस संदेश डालकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि कर्मचारी ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रभावशीलता पर सवालिया निशान उठाया था। जिसके बाद उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। चंद्रपुर कलेक्टर और जिला रिटर्निंग अधिकारी विनय गौड़ा ने कहा कि पंढरकावड़ा में तैनात शिवशंकर मोरे के खिलाफ कार्रवाई की गई।

चंद्रपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अरनी के सहायक चुनाव अधिकारी ने प्रभागीय वन अधिकारी (वन्यजीव) पांढरकावड़ा को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्हें मोरे के खिलाफ एक शिकायत मिली है जिसमें कहा गया है कि उन्होंने (व्हाट्सएप) स्टेटस बनाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उनका मोबाइल, जिसने ईवीएम की प्रभावशीलता पर संदेह पैदा किया और लोगों के मन में भ्रम पैदा किया। पत्र में कहा गया है, किसी सरकारी कर्मचारी से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती है और यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। गौड़ा ने कहा कि इस संबंध में संबंधित कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है और मामला दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से पांच चरणों में होंगे।

'इंडिया जिंदाबाद', समुद्री लुटेरों से बचाए जाने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों ने लगाए नारे...

मुंबई : भारतीय नौसेना ने अरब सागर में समुद्री लुटेरों के चंगुल से 23 पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया था.

रेस्क्यू किए जाने के बाद नौसेना ने उनका एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे 'इंडिया जिंदाबाद' के नारे लगाते नजर आए. उन्होंने नौसेना का धन्यावाद भी दिया. भारतीय नौसेना ने 23 पाकिस्तानी नागरिकों को रेस्क्यू किया है. अरब सागर में समुद्री लुटेरों ने उनका अपहरण कर लिया था. वे ईरान से आ रहे थे. भारतीय नौसेना द्वारा रेस्क्यू किए जाने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों ने कहा कि 'अब हम आजाद हैं.' उन्होंने नौसेना का धन्यवाद दिया और 'इंडिया जिंदाबाद' के नारे भी लगाए.

नौसेना ने पाकिस्तानी नागरिकों का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे अपनी नाव पर सुरक्षित नजर आ रहे हैं. वे एफवी एआई कंबार 786 नाम का नाव लेकर ईरान से निकले थे लेकिन अरब सागर में उन्हें समुद्री डाकुओं ने घेर लिया था. नौसेना ने 9 हथियारबंद लुटेरों को गिरफ्तार भी किया है, जिन्होंने जहाज को हाईजैक कर लिया था.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 06 अप्रैल 2024

महाराष्ट्र के सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी के मामलों में आई भारी कमी

मुंबई: दो दिन पहले ही कंगन खरीदने के मामले में एक जौहरी से कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में आजाद मैदान पुलिस से जुड़े एक उप-निरीक्षक और दो कांस्टेबलों को विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। आरोपियों से पूछा गया है कि सजा के तौर पर उनकी दो साल की वेतन वृद्धि क्यों न रोक दी जाए। सूत्र बताते हैं कि विभागीय कार्रवाई तभी संभव है, जब इन आरोपी पुलिसकर्मियों की ओर से विभाग को कोई ठोस जवाब मिले।

विभाग भले ही कार्रवाई देर-सवेर करे, लेकिन आम लोगों की धारणा अभी भी वही है कि सरकारी विभागों में काम तभी हो पाएगा, जब उन्हें कथित तौर पर 'खुश' कर पाएंगे। हालांकि, महाराष्ट्र ऐंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की हालिया तिमाही रिपोर्ट का विश्लेषण करें, तो कह सकते हैं कि शायद अब वह दिन लदते हुए दिखाई दे रहे हैं, जब लोग कहा करते थे कि काम में तब दिखेगा दम, जब जेब करोगे गरम।

घूसखोरी में आई गिरावट

एसीबी रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी के मामले साल दर साल बढ़ती ही जा रही थी, लेकिन इस साल की पहली तिमाही में घूस लेने के मामलों में भारी कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के जनवरी से मार्च की अवधि

की तुलना में 2024 के जनवरी से मार्च के बीच यानी इन तीन महीनों में रिश्वत लेने के मामलों में 17% की कमी आई है। 2023 में रिश्वत लेने वालों की संख्या जहां 321 थीं। वहीं यह आकंड़ा 2024 में घटकर 269 हो गई है। हालांकि, लोगों द्वारा शिकायतें कम आने के कारण एसीबी ट्रैप कम लगाती है, जिसके चलते आरोपी भी कम पकड़े जाते हैं और ठोस सबूत भी नहीं मिलते हैं, जिसका असर एसीबी के रेकॉर्ड पर पड़ता है।

पुलिस वाले दूसरे नंबर पर

एसीबी रिपोर्ट बताती है कि रिश्वतखोरी के मामलों में भले ही गिरावट आई हो, लेकिन अभी भी राजस्व विभाग के बाद पुलिस विभाग का ही नंबर है। यानी, रिश्वत लेने के मामले में पुलिस का स्थान दूसरे नंबर पर है। राजस्व विभाग से 57 मामले

घूस लेने के मामलों में 17% कमी... नासिक में सबसे ज्यादा रिश्वतखोर पकड़े गए

जबकि पुलिस विभाग से 32 मामले दर्ज किए गए। जहां तक कार्रवाई की बात है, तो एसीबी रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में जनवरी से मार्च के मध्य 224 ट्रैप एसीबी की विभिन्न यूनिटों ने लगाए थे, जो इस साल इस अवधि में घटकर 186 ट्रैप हो गए। इसका मतलब 2024 के शुरूआती 3 महीने में एसीबी ने 38 ट्रैप कम लगाए थे।

कम ट्रैप, कम आरोपी पकड़े गए

इस साल एसीबी ने ट्रैप ही कम लगाए हैं, इसलिए रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़े जाने वाले आरोपियों की संख्या भी कम हो गई। एसीबी रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में एसीबी ने घूस लेने के मामलों में 321 रिश्वतखोरों को पकड़ा था, जो इस साल की पहली तिमाही में घटकर 269 हो गया। इसका मतलब, 2023 की पहली तिमाही की तुलना में 2024 की पहली तिमाही में 52 घूसखोर कम पकड़े गए।

नासिक में सबसे ज्यादा रिश्वतखोर पकड़े गए

नासिक डिविजन में लगाए गए 39 ट्रैप में 53 रिश्वतखोर पकड़े गए, जबकि पुणे डिविजन में लगाए गए 37 ट्रैप में 51 आरोपी पकड़े गए थे। छत्रपति संभाजीनगर में 32 ट्रैप में 57, ठाणे में 22 ट्रैप में 31, नागपुर में 17 ट्रैप में 20, अमरावती में 15 ट्रैप में 21, नांदेड़ में 14 ट्रैप में 20 और मुंबई में 10 ट्रैप में 16 आरोपी पकड़े गए। इस हिसाब से देखें तो सबसे निचले स्थान पर मुंबई डिविजन है।

36 साल बाद गिरफ्तार हुआ पड़ोसी की बेरहमी से हत्या करने वाला आरोपी

मुंबई : मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने वसई से एक 55 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो सात साथियों के साथ अपने पड़ोसी की बेरहमी से हत्या करने के बाद 36 वर्षों तक न्याय से बचने में कामयाब रहा था।30 नवंबर, 1988 को वसई के नवघर इलाके में भीषण हत्या की सूचना मिली थी। आरोपी क्लेमेंट साइमन लोबो उर्फ मुन्ना, जो अब 55 वर्ष का है, ने अपने सात दोस्तों के साथ मिलकर सालिम अली पर क्रूर हमला किया था, जिससे गंभीर रूप से उसकी मौत हो गई थी।

वसई पुलिस स्टेशन में मुन्ना, शंकर माखन, धर्म धर्मेंद्र, शेखर

पुजारी, चंद्रशेखर शेट्टी, कुमार होडे, धनंजय बोलूर और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। जबकि छह को अपराध के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था, मुन्ना और बोलूर बड़े पैमाने पर बने हुए थे।लोकसभा चुनाव से पहले शुरू किए गए 'ऑपरेशन ऑल-आउट' के हिस्से के रूप में, पुलिस उपायुक्त (जोन कक्ष) पूर्णिमा चौगले के मार्गदर्शन में मानिकपुर पुलिस स्टेशन और आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की एक टीम ने फिर से अभियान शुरू किया।

अनसुलझे मामलों की जांच गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने जाल बिछाया और मंगलवार को मानेकपुर के तलखल इलाके से मुन्ना को पकड़ लिया। यह हत्या मुन्ना और मृतक के बीच पुरानी दुश्मनी का नतीजा थी। अपराध करने के बाद, मुन्ना देश छोड़कर भाग गया था और कथित तौर पर बहरीन में शरण ली थी। वह हाल ही में वसई लौटे थे। हालांकि, बोलूर अभी भी बड़े पैमाने पर है और आगे की जांच चल रही है।

विरार का ग्लोबल सिटी इलाका अब भी प्यासा

वसई: एक महीने पहले यह घोषणा की गई थी कि विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी क्षेत्र में बड़े धूमधाम से पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई है. लेकिन हकीकत में यह इलाका प्यासा है क्योंकि इस इलाके में अभी तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई है. पिछले कुछ वर्षों में विरार के पश्चिमी भाग में ग्लोबल सिटी क्षेत्र विकसित हुआ है। मुंबई के पास इस क्षेत्र में अपना सही घर पाने के लिए, मध्यम वर्ग ने ग्लोबल सिटी में घर खरीदे। डेवलपर्स द्वारा चमचमाती इमारतें और अन्य सुविधाएं प्रदान की गईं। लेकिन नगर पालिका ने अभी तक पानी उपलब्ध नहीं कराया है। इसलिए यहां के नागरिकों को टैंकर के पानी पर निर्भर रहना पड़ता है.

यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र से राजश्री पाटिल को टिकट, सांसद भावना गवली का टिकट काटा गया

मुंबई: शिवसेना एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को हिंगोली के सांसद हेमंत पाटिल की पत्नी राजश्री पाटिल को पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया है. उन्हें मौजूदा सांसद भावना गवली के स्थान पर मैदान में उतारा गया है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मध्य महाराष्ट्र के हिंगोली में मौजूदा सांसद हेमंत पाटिल को हटाकर उनकी जगह बाबूराव कदम-कोहलीकर को मैदान में उतारा है.

शिवसेना एकनाथ शिंदे की तरफ से अपनी पहली सूची में हेमंत पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा की गई थी, लेकिन अपनी सहयोगी बीजेपी की स्थानीय इकाई के विरोध के बाद उन्हें हटा दिया गया. कोहलीकर शिवसेना की हिंगोली जिला इकाई के अध्यक्ष हैं. गवली को हटाए जाने के बाद सीएम शिंदे ने कहा कि उन्होंने उन्हें नहीं छोड़ा है और एक भाई की तरह गवली के साथ खड़े रहेंगे. उन्होंने कहा कि गवली और हेमंत दोनों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अच्छा काम किया है. इसके साथ ही शिंदे ने दावा किया कि कोहलीकर और राजश्री पाटिल अच्छे अंतर से जीतेंगे.

शिवसेना ने अब तक तीन मौजूदा सांसदों को हटा दिया है, जिनमें रामटेक (एससी) सीट से कृपाल तुमाने भी शामिल हैं. मुंबई उत्तर-पश्चिम के सांसद गजानन कीर्तिकर को भी हटाए जाने की चचाएं चल रही है. क्योंकि प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को सीट से मैदान में उतारा है.

राजश्री पाटिल और संजय देशमुख के बीच होगा मुकाबला

शिवसेना के नासिक से सांसद हेमंत गोडसे की उम्मीदवारी पर भी अनिश्चितता है. इसके सहयोगी दल बीजेपी और एनसीपी ने उत्तर महाराष्ट्र सीट पर दावा किया है. राजश्री पाटिल और कोहलीकर ने गुरुवार को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के समक्ष शिंदे की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। यवतमाल में राजश्री पाटिल का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के संजय देशमुख से होगा. जबकि कोहलीकर का मुकाबला नागेश पाटिल अष्टिकर से होगा, जो कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना से हैं. शिवसेना ने अब तक नौ सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है.

भ्रष्टाचार का मामला: सीबीआई ने ड्रग कंट्रोलर सहित 6 लोगों पर मामला दर्ज किया

मुंबई : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के लिए पैसे के रूप में अनुचित लाभ लेकर कथित तौर पर भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के आरोप में एक सहायक औषधि नियंत्रक (एएसडी) सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फार्मास्युटिकल दवाओं आदि के निर्माताओं, निर्यातकों और आयातकों के लिए। सीबीआई ने जिन लोगों पर मामला दर्ज किया है उनमें एएसडी अरविंद हिवाले, ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र नाथ, नागेश्वर सब्बानी, सर्वेश गायकवाड़ और निजी व्यक्ति ज्ञानेश्वर कोन, दत्ता पाटडे शामिल हैं। हिवाले, देवेन्द्र नाथ और सब्बानी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी लोक

सेवकों को 08.04.2024 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।सीबीआई के अनुसार, एक विश्वसनीय स्रोत से मिली जानकारी से पता चला है कि पनवेल में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) के कार्यालय में तैनात कुछ लोक सेवक 100 रुपये से लेकर 100 रुपये तक का अनुचित लाभ लेकर भ्रष्ट आचरण में शामिल हो गए हैं।

फार्मास्युटिकल दवाओं आदि के निर्माताओं, निर्यातकों और आयातकों को एनओसी देने के लिए 5,000 और अधिक।''इस तरह के अनुचित लाभ सीएचए या उनके प्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त किए जा रहे हैं जो अपने ग्राहकों की ओर से अपने नियमित कार्यों के लिए एएसडी के कार्यालय का दौरा करते थे। एएसडी के कार्यालय में तैनात लोक सेवक 100 रुपये का अनुचित लाभ लेते थे। फार्मास्युटिकल दवाओं आदि के निर्माताओं, निर्यातकों और आयातकों के दस्तावेजों से निपटने के दौरान काउंटर पर ही प्रति एनओसी 5,000 रुपये और अधिक। एक सीबीआई अधिकारी ने कहा.उन्होंने आगे कहा, ''सूत्र ने आगे खुलासा किया कि एकत्र किए गए अनुचित लाभ की राशि को सार्वजनिक व्यवहार काउंटर दराज में ही रखा जाता है और इसे प्रभारी एएसडी सहित सभी लिप्त लोक सेवकों के बीच वितरित किया जाता है। विश्वसनीय स्रोत ने आगे खुलासा किया कि निजी व्यक्ति ज्ञानेश्वर कोंडे और दत्ता पाटडे, एएसडी के अदविंद हिवाले और ड्रग इंस्पेक्टर, देवेन्द्र नाथ की ओर से रिश्वत की रकम इकट्ठा करते थे और एकत्रित की गई रिश्वत की रकम को एएसडी कार्यालय के बाहर सौंप देते थे।''

कचरा परिवहन एवं संग्रहण के लिए निविदाएं जल्द ही जारी की जाएंगी

नवी मुंबई: नवी मुंबई स्वच्छ शहरों की सूची में शामिल है और नगर निगम ने कचरा वर्गीकरण का दायरा बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है. नगर पालिका ने कचरा परिवहन एवं संग्रहण के लिए निविदा प्रकाशित कर दी है, जिसे पिछले वर्ष से लगातार बढ़ाया जा रहा है और नगर पालिका के इतिहास में पहली बार कचरे के ई-परिवहन की सुविधा भी लागू होने जा रही है. टेंडर स्वीकृत करने की अंतिम तिथि 13 मई तक दी गयी थी. अब तक कचरा परिवहन और संग्रहण के लिए पुराने ठेकेदार को अक्सर एक्सटेंशन दिया जाता था। नगरपालिका को अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन से परियोजना रिपोर्ट प्राप्त करने में काफी समय लग गया। इसलिए अब नगर पालिका ने इस काम के लिए टेंडर जारी किया है और पिछले काम के लिए 2400 रुपए प्रति टन का रेट दिया गया था। इसलिए जल्द ही साफ हो जाएगा कि टेंडर कितने करोड़ तक जाएगा।

नगर पालिका ने कचरा परिवहन और संग्रहण के लिए मार्च 2015 से मार्च 2022 तक शहर के कचरा परिवहन और संग्रहण ठेकेदार को काम पर रखा था। हालाँकि, संबंधित ठेकेदार का कार्यकाल समाप्त होने के कारण, नगर पालिका ने उसी ठेकेदार के लिए समय सीमा फिर से मार्च 2024 तक बढ़ा दी। इसलिए इस पर इधर उधर की चर्चा होती रही. जब तक नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। एक। जी। एनवायरो ठेकेदार को समय विस्तार दिया गया है। चूंकि नगर पालिका को अपशिष्ट परिवहन और संग्रहण के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हुई है, इसलिए अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार निविदा प्रक्रिया लागू की गई है।

इस साल नई टेंडर प्रक्रिया में कूड़ा वर्गीकरण का दायरा बढ़ाया जाएगा। नगर पालिका का इरादा विभिन्न प्रकार के कचरे को अलग-अलग करने का है। इसी प्रकार गीले और सूखे कचरे का वर्गीकरण, घरेलू खतरनाक कचरे का वर्गीकरण और प्लास्टिक, लकड़ी, कांच, धातु के कचरे का भी संग्रह किया जाएगा। साथ ही जहां हर जगह इलेक्ट्रिक कारों का इस्तेमाल शुरू हो गया है, वहीं नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि कचरा परिवहन के लिए छोटी इलेक्ट्रिक कारों के इस्तेमाल पर भी विचार किया जाएगा. आगामी कचरा परिवहन एवं संग्रहण टेंडर पर करोड़ों की लागत आएगी और तस्वीर यह है कि नगर पालिका देश में स्वच्छता के मामले में शहर की प्रतिष्ठा को बनाए रखने और लगातार बढ़ाने के लिए उचित सावधानियां बरतेगी।

लोकसभा चुनाव से पहले अरुण गवली की रिहाई

जानें कोर्ट ने क्यों दिया समय से पहले रिहा करने का आदेश

मुंबई: कई दशकों तक मुंबई मायानगरी पर राज करने वाला कुख्यात गैंगस्टर और डॉन अरुण गवली जल्द ही जेल से आजाद हो जाएगा। लोकसभा में चुनाव गवली के मतदान की उम्मीद भी जताई जाने लगी है। दरअसल गवली की रिहाई का आदेश नागपुर पीठ की ओर से दिया गया है। सजा के समय से पहले ही उसे रिहा करने का आदेश कोर्ट ने खुद गवली की मांग पर दिया है। गवली ने 2006 के सरकारी फैसले के आधार पर सजा से छूट की मांग की थी। किस मामले में मिली सजागवली को मुंबई पार्षद कमलाकर जामसंदेकर हत्याकांड और अन्य अपराधों के लिए वर्ष 2007 से दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। फिलहाल गवली नागपुर जेल में सजा काट रहा है।

गवली की याचिका पर कोर्ट का आदेश

अरुण गवली की याचिका पर नागपुर बेंच में सुनवाई पूरी हो गई। हालांकि, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए

गवली को समय से पहले रिहा करने का निर्देश दिया है। हालांकि, जेल प्रशासन को उस संबंध में जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय भी दिया गया है। अब जेल प्रशासन क्या फैसला लेगा? ये देखना अहम होगा। कानूनी जानकारों की माने 65 वर्ष की आयु पूरी कर चुके, विकलांग, आधी सजा पाए कैदी को सजा से छूट दी गई है। इसके मुताबिक, डॉन अरुण गवली को सजा से जल्द रिहाई की मांग की गई थी और कोर्ट के फैसले के बाद अब उसके जेल से रिहा होने की संभावना है।

सरकार परिपत्र 2006 क्या है?

1. आजीवन कारावास की सजा पाने वाले कैदियों को चौदह साल की कैद पूरी करने के बाद जेल से रिहा किया जा सकता है, साथ ही अगर उनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक हो, वो विकलांग हो।
2. चूंकि गवली का जन्म 1955 में हुआ था इसलिए उनकी उम्र 69 साल है।
3. अरुण गवली जामसंदेकर हत्या मामले में 2007 से जेल में हैं और पिछले सोलह साल से जेल में हैं।
4. दूसरे शब्दों में, अरुण गवली 2006 के महाराष्ट्र सरकार के परिपत्र के अनुसार रिहाई की दोनों शर्तों को पूरा करता है।
5. इसलिए कोर्ट ने फैसला किया है कि उन्हें सजा से पहले रिहा कर दिया जाए।''

मुलुंड के वैशाली नगर में स्ट्रीट डॉग को लात मारने पर बहस...

2 लोगों को मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मुलुंड पुलिस ने मुलुंड पश्चिम के वैशाली नगर इलाके में मंगलवार को एक 60 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर दो लोगों को चाकू मारने के आरोप में गिरफ्तार किया है, क्योंकि उनमें से एक ने उसे मंगलवार को सड़क के कुत्ते को लात मारने से मना किया था।पुलिस के मुताबिक, 50 साल की एक महिला अपने अपार्टमेंट की बिल्डिंग के बाहर बैठी थी. दिनेश बोरेचा नामक व्यक्ति वहां से गुजर रहा था और उसने कथित तौर पर जानबूझकर एक सड़क के कुत्ते को दो बार लात मारी। कुत्ते का रोना सुनकर महिला ने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया जबकि कुत्ता उसे परेशान नहीं कर रहा था।एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला आरोपी से परिचित थी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह गुस्सैल स्वभाव का था और अक्सर हिंसक हो जाता था।

''वे पड़ोसी हैं और उसने इस घटना पर उससे बहस करना शुरू कर दिया। उनकी बहस सुनकर, पीड़िता के रिश्तेदार उसका बचाव करने के लिए नीचे आए, तभी बोरेचा ने जेब से चाकू निकाला और उन पर हमला कर दिया, ''एक अधिकारी ने कहा इसी नोकझोंक के बीच बोरेचा ने महिला के पेट पर चाकू मार दिया, इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला कर दिया. महिला का एक अन्य रिश्तेदार भी घायल हो गया। पुलिस का एक गश्ती वाहन वहां से गुजर रहा था और उसने भीड़ जमा देखी।

इसके बाद, बोरेचा को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि पीड़िता और उसके दो रिश्तेदारों को इलाज के लिए सायन अस्पताल भेजा गया। एक अधिकारी ने कहा, ''वे सभी फिलहाल खतरे से बाहर हैं लेकिन उन्हें अभी तक अस्पताल से छुट्टी नहीं मिली है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''पूछताछ के दौरान, उस व्यक्ति ने कहा कि वह अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा चाकू अपने साथ रखता है।'' हालाँकि, हमें पता चला कि उसे कुछ मानसिक समस्याएँ हैं, जिनमें क्रोध प्रबंधन से संबंधित समस्याएँ भी शामिल हैं।उन पर भारतीय दंड की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 324 (खतरनाक हथियार के माध्यम से जानबूझकर चोट पहुंचाना), 504 (जानबूझकर अपमान) और 509 (शब्द या इशारा करके किसी महिला की गरिमा का अपमान करना) के तहत आरोप लगाया गया है।

संजय निरुपम को कांग्रेस ने क्यों निकाला? महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने बताई ये वजह

मुंबई : संजय निरुपम के कांग्रेस से निष्कासन के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मचा है। निरुपम ने कांग्रेस पर बड़े आरोप लगाते हुए कहा कि वो निष्कासन से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी कई हमले बोले। वहीं, अब पूर्व सीएम और विधायक पृथ्वीराज चव्हाण का इस मामले पर बयान सामने आया है।

निरुपम की सीट इस कारण शिवसेना (यूबीटी) को दी

पृथ्वीराज चव्हाण ने संजय निरुपम के निष्कासन और उनकी मनपसंद सीट शिवसेना (यूबीटी) को देने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव के नतीजों की वजह से कांग्रेस को मुंबई में ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। कांग्रेस को वह सीट नहीं मिली जो संजय निरुपम चाहते थे और उसकी वजह से नाराज थे।

कांग्रेस ने इस कारण संजय को निकाला

पूर्व सीएम ने कहा कि सीट न मिलने की वजह से संजय निरुपम नाराज थे और बयानबाजी कर रहे थे। जब बात बढ़ी तो कांग्रेस को अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि संजय ने पक्का अपने लिए कोई न कोई विकल्प ढूंढ ही लिया है, इसलिए वे लगातार कांग्रेस के खिलाफ बयान दे रहे थे और गठबंधन में बाधाएं पैदा कर रहा थे।

कांग्रेस पर लगाए दिशाहीन होने के आरोप

संजय निरुपम ने बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पार्टी पर कई हमले बोले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब दिशाहीन हो गई है और उसे सही-गलत का एहसास नहीं हो रहा है। उन्होंने इसी के साथ कहा कि कांग्रेस में केवल 5 लोगों की ही चलती है, जिसमें गांधी परिवार से तीनों राहुल, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे और के सी वेणुगोपाल शामिल हैं।

ठाणे जिले में करंट लगने से भागलपुर के तीन श्रमिकों की मौत

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक पानी की टंकी पर काम करने के दौरान करंट लगने से गुरुवार को तीन श्रमिकों की मौत हो गई। बिहार के भागलपुर निवासी शालीग्राम मंडल, राजनकुमार मंडल और गुलशनकुमार मंडल यहां काम कर रहे थे। अंबरनाथ के समीप मांबुल गांव में गुरुवार सुबह 11 बजे यह हादसा हुआ। पानी की टंकी में पंप की गलत वायरिंग के कारण तीनों को करंट लग गया। अधिकारी ने बताया कि तीनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र की सभी 48 सीटें महाविकास अघाड़ी की हैं, न कि शिवसेना (यूबीटी) या कांग्रेस की हैं - संजय राउत

मुंबई : लोकसभा चुनाव शुरू होने में अब कुछ ही दिन का समय रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इस बीच महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर लगातार राजनीति जारी है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र की सभी 48 सीटें महाविकास अघाड़ी की हैं, न कि शिवसेना (यूबीटी) या कांग्रेस की हैं।

48 सीटें महाविकास अघाड़ी की

संजय राउत ने कहा, 'महाराष्ट्र की सभी 48 सीटें महाविकास अघाड़ी की हैं और विशेष रूप से शिवसेना (यूबीटी) या कांग्रेस की नहीं हैं। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के पास एमवीए की सभी सीटें जीतने का स्पष्ट दृष्टिकोण है। सांगली सीट पर शिवसेना के होने से कुछ लोग नाराज हो सकते हैं। अमरावती और कोल्हापुर हमारी सीटें थीं, लेकिन हमने अपने कार्यकर्ताओं को समझाया। सांगली में कांग्रेस के कुछ लोग गुस्से में हैं तो उन्हें समझाना शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी है। हम सांगली की सीट जीतने की पूरी कोशिश करेंगे।'

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com